MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:01 DECEMBER 2025

एमसीयू में 'निशंक' ने सुनाई 'लेखक गांव' की कहानी

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि में पूर्व केंद्रीय मंत्री और लेखक डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक रविवार को कैम्पस में विद्यार्थियों से मिले। देहरादून में बने देश के पहले लेखक गाँव की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि हिमालय की गोद में देश-दुनिया के लेखकों और रचनाकारों के लिए एक गाँव बसाया गया है। यहाँ 40 हजार किताबों का संग्रह है। नई पीढ़ी के रचनाकारों के लिए आवास की सुविधा है। पूरा निर्माण हिमालय की वास्तुकला पर केंद्रित है। कवि और पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी का स्वप्न था कि लेखकों के लिए एक ऐसा परिसर विकसित किया जाए। यहाँ हिमालय की लोक संस्कृति पर केंद्रित एक संग्रहालय भी बनाया जा रहा है।

भारतीय मूल्यों की विरासत आगे बढ़े

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को एक विश्व बाजार के रूप में देखा जा रहा है। जबकि भारतीय दृष्टि बाजार की नहीं है, वह पूरे विश्व को एक परिवार मानती है। मीडिया को भी भारतीय दृष्टि से ही विश्व को समझने और देखने की जरूरत है। हम बाजार नहीं हैं। हम मनुष्य हैं। हमारी सभ्यता–संस्कृति और सरोकार एक दूसरे से साझे हैं। मीडिया में यही भाव जगाना जरूरी है ताकि भारतीय मूल्यों की महान विरासत आगे बढ़े। कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने परिसर में उनका स्वागत किया। उन्होंने दादा माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अवलोकन किया और शिलालेख के स्थान पर लगे 'कर्मवीर' अखबार के रचनात्मक प्रयोग को सराहा। उन्होंने कहा कि लेखक गाँव विश्वविद्यालय के साथ मिलकर भी कुछ रचनात्मक सृजन में अपनी भूमिका निभा सकता है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'01 DECEMBER.2025

एमसीयू में 'निशंक' ने सुनाई 'लेखक गांव' की कहानी

आयोजन

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि (एमसीयू) में पूर्व केंद्रीय मंत्री और लेखक डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक रविवार को कैम्पस में विद्यार्थियों से मिले। उन्होंने 'लेखक गांव' की कहानी सुनाई। इसमें बताया कि हिमालय की गोद में देश-दुनिया के लेखकों और रचनाकारों के लिए एक गांव बसाया गया है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'01 DECEMBER.2025

माखन लाल यूनिवर्सिटी में जागरण मंच की हुई संगोष्ठी

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल

editor@peoplessamachar.co.in

माखन लाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय जागरण मंच ने 'नो मोर पाकिस्तान' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य गोलोक बिहारी एवं मंत्री विक्रमादित्य ने विचार साझा किए। कुलपति विजय मनोहर तिवारी ने कि सुरक्षा भले ही सरकार सेना व पुलिस का विषय हो, परंतु समाज को भी सतर्क रहना होगा। पाकिस्तान अवैध कब्जाधारी देश है। उसका अस्तित्व ही खतरे में है। चैप्टर के अध्यक्ष एस के राउत, गीत धीर, कर्नल बीबी वत्स, जीके छिब्बर, पत्रकार उमेश गुप्ता, राजन मेहता, बीजेपी प्रवक्ता नेहा बग्गा, डॉ. वीएन पाठक, साधना पाठक, सलिल चटर्जी ने विचार रखे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'01 DECEMBER.2025

एमसीयू के स्टूडेंट्स को निशंक ने सुनाई अनोखे लेखक गांव की कहानी

देहरादून में बसा है देश का पहला लेखकों का गांव, 40 हजार किताबों का है संग्रह

भोपाल@पत्रिका. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि (एमसीयू) में पूर्व केंद्रीय मंत्री और लेखक डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक रविवार को कैम्पस में विद्यार्थियों से मिले। देहरादून में बने देश के पहले लेखक गांव की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि हिमालय की गोद में देश-दुनिया के लेखकों और रचनाकारों के लिए एक गांव बसाया गया है। यहां 40 हजार किताबों का संग्रह है। नई पीढ़ी के रचनाकारों के लिए आवास की सुविधा है। पूरा निर्माण हिमालय की वास्तुकला पर केंद्रित है। यहां हिमालय की लोक संस्कृति पर केंद्रित एक संग्रहालय भी बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को एक विश्व बाजार के रूप में देखा जा रहा है, जबकि भारतीय दृष्टि बाजार की नहीं है, वह पूरे विश्व को एक परिवार मानती है। मीडिया को भी भारतीय दृष्टि से ही विश्व को समझने और देखने की जरूरत है। हम बाजार नहीं हैं। हम मनुष्य हैं। हमारी सभ्यता-संस्कृति और सरोकार एक दूसरे से साझे हैं। मीडिया में यही भाव जगाना जरूरी है ताकि भारतीय मूल्यों की महान विरासत आगे बढ़े। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने उनका स्वागत किया। उन्होंने 'कर्मवीर' अखबार के रचनात्मक प्रयोग को सराहा।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA'01 DECEMBER.2025

एमसीयू में डॉ. निशंक ने सुनाई देश के पहले 'लेखक गाँव' की कहानी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और लेखक डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने विद्यार्थियों से संवाद किया और देहरादून में बने देश के पहले 'लेखक गाँव' की कहानी सुनाई।

हिमालय की गोद में यह गाँव लेखकों और रचनाकारों के लिए बसाया गया है। यहाँ 40 हजार से अधिक किताबों का संग्रह है और नई पीढ़ी के रचनाकारों के लिए आवास की सुविधा उपलब्ध है। पूरा परिसर हिमालय की पारंपरिक वास्तुकला पर आधारित है। कवि और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्वप्न था कि लेखकों के लिए ऐसा रचनात्मक स्थल विकसित किया जाए।

डॉ. निशंक ने भारतीय दृष्टि के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि पूरी दुनिया को बाजार नहीं, बल्कि एक परिवार के रूप में देखना चाहिए। मीडिया को भी इसी दृष्टि से विश्व को समझने और दिखाने की आवश्यकता है, ताकि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और मूल्यों की महान विरासत आगे बढ़े। कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने उनका स्वागत किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'01 DECEMBER.2025

पत्रकारिता विवि पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री और लेखक निशंक

बच्चों को सुनाई लेखक गांव की कहानी

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि (एमसीयू) में पूर्व केंद्रीय मंत्री और लेखक डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक रविवार को पहुंचे। इस दौरान वे विद्यार्थियों से मिले। उन्होंने देहरादून में बने देश के पहले लेखक गांव की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि हिमालय की गोद में देश-दुनिया के लेखकों और रचनाकारों के लिए एक गांव बसाया गया है। यहां 40 हजार किताबों का संग्रह है। नई पीढ़ी के रचनाकारों के लिए आवास की सुविधा है।

पूरा निर्माण हिमालय की वास्तुकला पर केंद्रित है। कवि और पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी का स्वप्न था कि लेखकों के लिए एक ऐसा परिसर विकसित किया जाए। यहाँ हिमालय की लोक संस्कृति पर केंद्रित एक संग्रहालय भी बनाया जा रहा है। उन्होंने दादा माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अवलोकन किया और शिलालेख के स्थान पर लगे 'कर्मवीर अखबार के रचनात्मक प्रयोग को सराहा। उन्होंने कहा कि लेखक गांव विश्वविद्यालय के साथ मिलकर भी कुछ रचनात्मक सृजन में अपनी भूमिका निभा सकता है। आरंभ में कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने परिसर में उनका स्वागत किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'01 DECEMBER.2025

नो मोर पाकिस्तानः एमसीयू में राष्ट्रीय सुरक्षा पर विशेष व्याख्यान

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में नो मोर पाकिस्तान विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। स्वामी विवेकानंद सभागार में इस व्याख्यान का आयोजन राष्ट्रीय सुरक्षा मंच द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य भारत के समक्ष मौजूद सुरक्षा चुनौतियों और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर जागरूक एवं सूचित चर्चा को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोलोक बिहारी राय, राष्ट्रीय संचालन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते आयामों पर प्रकाश डाला। कहा कि वर्तमान समय में नागरिकों, विशेषकर युवाओं को सुरक्षा से जुड़े मुद्दों, क्षेत्रीय तनावों और भारत की सामरिक स्थिरता को प्रभावित करने वाले कारकों की समझ विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'01 DECEMBER.2025

राष्ट्रीय सुरक्षा में जनभागीदारी भी जरूरी: तिवारी

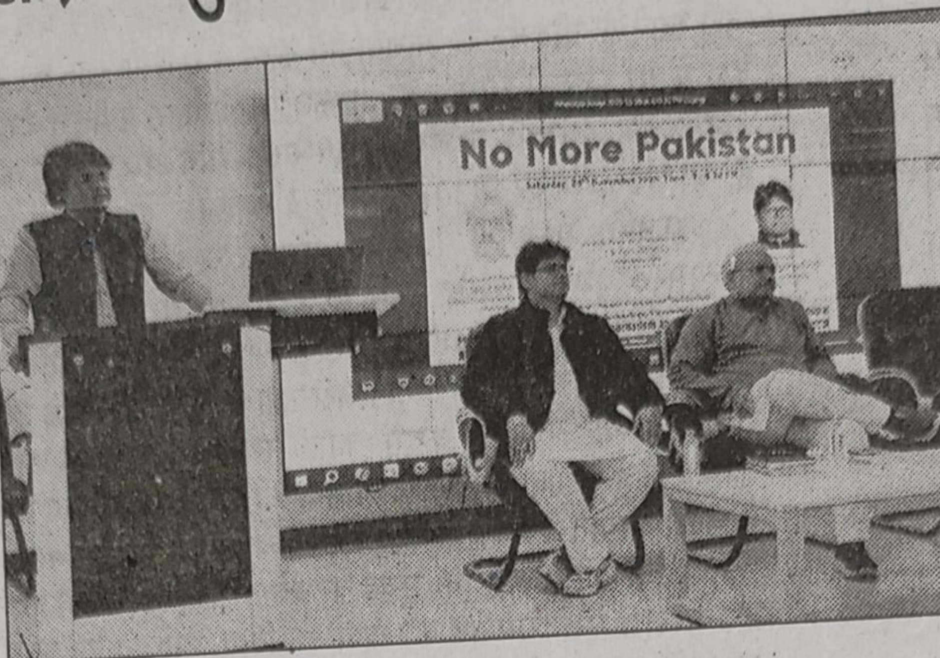

भोपाल, देशबन्धु। राष्ट्रीय जागरण मंच द्वारा माखन लाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभा भवन में नो मोर पाकिस्तान विषय पर कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम में मंच के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य गोलोक बिहारी एवं मंत्री विक्रमादित्य ने छात्रों से अपने विचार साझा किए। वहीं पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति विजय मनोहर तिवारी नेअपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा की सुरक्षा भले ही सरकार सेना व पुलिस का विषय हो, परन्तु समाज को भी अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति भी गंभीर है वहां के मीडिया में चर्चा हो रही है कि उनकी वास्तविकता क्या है, वे कौन है, विभाजन के पहले क्या थे, अब क्या है श्री तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान एक अवैध कब्जाधारी देश है, उसका अस्तित्व ही खतरे में है। कार्यक्रम का संचालन गीत धीर ने किया और अंत में भोपाल चेप्टर के अध्यक्ष एसके राउत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कर्नल बीबी वत्स, जीके छिब्बर, टीवी 27 के संपादकीय सलाहकार उमेश गुप्ता, मार्केटिंग मैनेजर राजन मेहता, बीजेपी प्रवक्ता नेहबग्गा, डॉ वीएन पाठक, साधना पाठक, सलिल चटर्जी, अनिल सकरगाए एवं बड़ी संख्या में छात्र- छात्राएं उपस्थित थीं।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DESHBANDHU'01 DECEMBER.2025

दैनिक भास्कर भोपाल 01-12-2025

एमसीयू में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. निशंक ने साझा की 'लेखक गांव' कहानी

भोपाल| माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि (एमसीयू) में रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और लेखक डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने विद्यार्थियों से मुलाकात की और देहरादून में बने देश के पहले 'लेखक गाँव' की कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि हिमालय की गोद में रचनाकारों के लिए बसाए गए इस परिसर में 40 हजार किताबों का संग्रह और नई पीढ़ी के लेखकों के लिए आवास उपलब्ध है। । अटलबिहारी वाजपेयी का सपना था कि लेखकों का ऐसा रचनात्मक केंद्र बने। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने परिसर में उनका स्वागत किया।

वहीं टीटी नगर स्थित गढ़वाली समाज के बद्रीनारायण मंदिर में आए उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक का स्वागत गढ़वाली समाज के अध्यक्ष विजय सिंह नेगी, सचिव धर्मेंद्र सिंह शाह और सुरेश कर्नाटक अध्यक्ष कुमाऊं समाज ने लोगों के साथ किया।